संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -251 शुक्रवार ,12 जुलाई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

खुला पत्र...बताईए मुख्यमंत्री जी

कलम बंद...का बारहवां दिन

क्या प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री के लिए पूरे प्रदेश के लोगों से ऊपर उनके भतीजे और उनके विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी हैं ?

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों को संरक्षण देने की बात कही...वहीं दूसरी तरफ भ्रष्टाचार पर जनसंपर्क अधिकारी को आगे कर समाचार-पत्र पर दबाव बनाने का कर रहे वह काम...ये कैसा संरक्षण ?
कैसे पत्रकारों को मिलेगी सुरक्षा...कैसे समाचार-पत्र रह सकेंगे निष्पक्ष...जब उन्हे सच लिखने पर मिलेगी सजा ?
घटती-घटना अखबार में स्वास्थ्य मंत्री के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री संजय मरकाम व उनके भतीजे प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल की कमियों की छप रही खबर को रोकने के लिए स्वास्थ्य मंत्री ने छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग के आयुक्त सहसंचालक आइपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव को किया आगे ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल महामहिम श्री विश्वभूषण हरिचंदन से हस्तक्षेप की मांग...
क्या छापें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव साहब ?
स्पष्ट कीजिए माननीय प्रधानमंत्री जी,स्पष्ट कीजिए माननीय मुख्यमंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन,स्पष्ट कीजिए माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी छत्तीसगढ़ शासन...
गृहमंत्री जी,भारत सरकार क्या छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार को लेकर खबर प्रकाशन पर होगी समाचार पत्र पर कार्यवाही ?

तुगलकी फरमान के विरूद्ध कलमबंद अभियान...

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के विभाग जनसंपर्क के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल के विभाग से संबंधित समाचारों के प्रकाशन पर जनसंपर्क संचनालय के आयुक्त सह संचालक आईपीएस श्री मयंक श्रीवास्तव के मौखिक आदेश पर घटती-घटना के शासकीय विज्ञापन पर रोक लगाकर दबाव बनाने से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के मूलभूत हक पर कुठाराघात के विरूद्ध कलमबंद अभियान...?

कलम बंद...का बारहवां दिन

?

कलम बंद...का बारहवां दिन

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

संपादकीय

एक भाई थे भूपेश बघेल के ओएसडी,दूसरे भाई को स्वास्थ्य मंत्री ने बनाया ओएसडी और तीसरे को बना डाला सीएस...

» आखिर विवादित अफसरों और स्टॉफ को ही क्यों खास बनाकर रखे हैं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ?

» क्या खुद के ओएसडी के फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र की जांच करा पाएंगे मंत्री जी ?

» लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज को आप कदापि दबा नहीं सकते स्वास्थ्य मंत्री जी...?

» कुठाराघात के विरूद्व कलमबंद अभियान का 12 वां दिन...

-रवि सिंह-

रायपुर/अम्बिकापुर,11 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल सत्ता और पद के घमंड में मस्त हैं...विभाग में सुविधाएं दम तोड़ रही हैं...शासकीय चिकित्सालयों में मरीज कराह रहे हैं ...मजबूरी है कि गरीबी के कारण निजी चिकित्सालय में जा नहीं सकते। इन सबके बीच लोगों की भावनाओं और हो रही परेशानियों को देखते हुए जब घटती-घटना अखबार ने अपनी जिम्मेदारी समझते हुए समस्याओं को मंत्री जी के सामने रखने की कोशिश की तो मंत्री द्वारा लगातार अनदेखी की जाती रही,

सलाहकार ना जाने क्या सलाह देते रहे कि तमाम कमियों को नजरअंदाज करते-करते आज स्वास्थ्य सुविधा प्रदेश भर में वेंटिलेटर पर पहुंच चुकी हैं। लगातार खबरों का प्रकाशन सिर्फ और सिर्फ इसलिए किया गया कि व्यवस्था में सुधार हो आम जन को लाभ मिल सके,लेकिन यह मंत्री जी को नागवार गुजरा,उन्होंने कमियों को दूर करने का प्रयास तो नहीं किया लेकिन लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की आवाज को कुचलने का कुत्सित प्रयास जरूर किया,जिसकी आज सर्वत्र निंदा हो रही है। सत्ता के नशे में चूर में मंत्री जी ने अपनी ओछी मानसिकता का परिचय देते हुए घटती -घटना अखबार को मिलने वाले विभागीय विज्ञापनों पर मौखिक आदेश देते हुए सिर्फ इसलिए रोक लगवा दिया ताकि विभाग की कमियों का प्रकाशन बंद कर दिया जाए...कमियों को छुपाया जाए...जबरन की वाहवाही की जाए... लेकिन नहीं,यह लोकतंत्र में असंभव है...जो दिखेगा ...उसे लिखा ही जाएगा...कमियां बताई ही जाएंगी...यह आपकी समझ है कि आप उसे किस रूप में लेते हैं। बहरहाल कुठाराघात के विरूद्व कलम बंद अभियान के तहत घटती -घटना अखबार द्वारा मंत्री से बार -बार

सवाल किया जा रहा कि आप खुद ही तय करें कि किन खबरों का प्रकाशन किया जाए लेकिन मंत्री अभी तक खबरों का चयन नही कर पाए हैं।

इसी कड़ी में आगे यह बतलाना जरूरी है कि आखिर स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल द्वारा अपने साथ किस प्रकार एक दागी अफसर को लेकर काम किया जा रहा है,जब साथ में दागी अफसर और स्टॉफ होंगे...तो फिर विभाग की दशा में सुधार कैसे होगा...आखिर कैसे जनता की भलाई के लिए काम होंगे। बात है मंत्री जी के ओएसडी यानि की विशेष सहायक की, इस पद पर मंत्री जी ने राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी संजय मरकाम को पदस्थ किया है,संजय मरकाम पर आरोप है कि वे फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र के आधार पर नौकरी कर रहे हैं,इस संबंध में सूक्ष्मता से जांच और कार्यवाही भी लंबित है। ओएसडी श्री मरकाम पूर्व में जहां भी पदस्थ रहे,वहां भी वे विवादित ही रहे हैं। फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र की जांच और कार्यवाही इसलिए लंबित है कि पिछली सरकार के मुखिया भूपेश बघेल के ओएसडी अरूण मरकाम थे जो कि संजय मरकार के सगे भाई हैं। अब वे वर्तमान में कोरिया में पदस्थ हैं। जब भाई प्रदेश के मुखिया के ओएसडी हों तो भला किस अधिकारी की हिम्मत है कि वे

प्रमाण-पत्रों की जांच और कार्यवाही करता इसलिए विभाग में मामला संज्ञान में आने के बाद भी कार्यवाही शून्य है।

ओएसडी के भाई को सूरजपुर जिला चिकित्सालय का सीएस बनाया गया

मंत्री जी अपने ओएसडी के साथ -साथ उनके परिवार का भी पूरा ध्यान रख रहे हैं,चूंकि ओएसडी संजय मरकाम के एक भाई अजय मरकाम चिकित्सक हैं,वे शिशु रोग विशेषज्ञ हैं,वरिष्ठता के क्रम में काफी नीचे हैं चूंकि स्वास्थ्य मंत्री के ओएसडी सगे भाई हैं इसलिए नियमों को दरकिनार करते हुए वरिष्ठता को दरकिनार करते हुए अजय मरकाम को ही सूरजपुर जिला चिकित्सालय का सीएस बना दिया गया है। यह हाल है प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग का और विभाग क मंत्री जी का कि ओएसडी के परिवार का भी पूरा पूरा ख्याल रख रहे हैं। वो तो भला हो कि एक भाई कोरिया में पदस्थ हैं और भूपेश बघेल के ओएसडी थे,अन्यथा उन्हे भी अपने साथ रखने में तनिक भी देर नहीं करते मंत्री जी।

घटती घटना | कोरिया-एमसीबी-समाचार | अम्बिकापुर, रविवार 18 फरवरी 2024 | 5

क्या खुद के दागी विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी का संलग्नीकरण समाप्त कर पाएंगे स्वास्थ्य मंत्री ?

घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर-कोरबा-समाचार | अम्बिकापुर,मंगलवार 05 मार्च 2024 | 6

क्या खुद के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी के प्रमाण-पत्रों की जांच करा पाएंगे स्वास्थ्य मंत्री ?

» आखिर स्वास्थ्य मंत्री क्यों नहीं छोड़ पा रहे दागदार अधिकारी का साथ?

» खुद स्वास्थ्य मंत्री ने विधानसभा में की थी घोषणा कराएंगे प्रमाण पत्रों की जांच

घटती घटना | लेख एवं विचार अभिव्यक्ति | अम्बिकापुर, गुरुवार 11 जुलाई 2024 | 2

चाचा हैं स्वास्थ्य मंत्री...इसलिए प्रभारी डीपीएम की पत्नी... भवन में कब्जा कर संचालित कर रहीं हैं नर्सिंग कॉलेज?

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

क्या प्रकशित करें आयुक्त सहसंचालक आईपीएस मयंक श्रीवास्तव जी ?

अम्बिकापुर,11 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आपको जो कमियां दिखाई जा रही हैं...वह आपको पसंद नहीं आ रही हैं...आपके विभाग में कितनी कमियां हैं...यह शायद आपको दिख नहीं रहा और अखबार आपको दिखाना चाह रहा है...वह देखना नहीं चाहते ऐसे में क्या प्रकाशित करें..यह आपकी तय करें ? अखबार जो आपको कमियां दिख रहा है उस कमियों को आपको दूर करना था पर उसे कर्मियों को दूर करने के बजाय आप अखबार से पत्रकार से संपादक से आपको दिक्कत हो रही फिर आप यह समझिए कि आपसे जनता को कितनी दिक्कतें हो रही होंगी ?

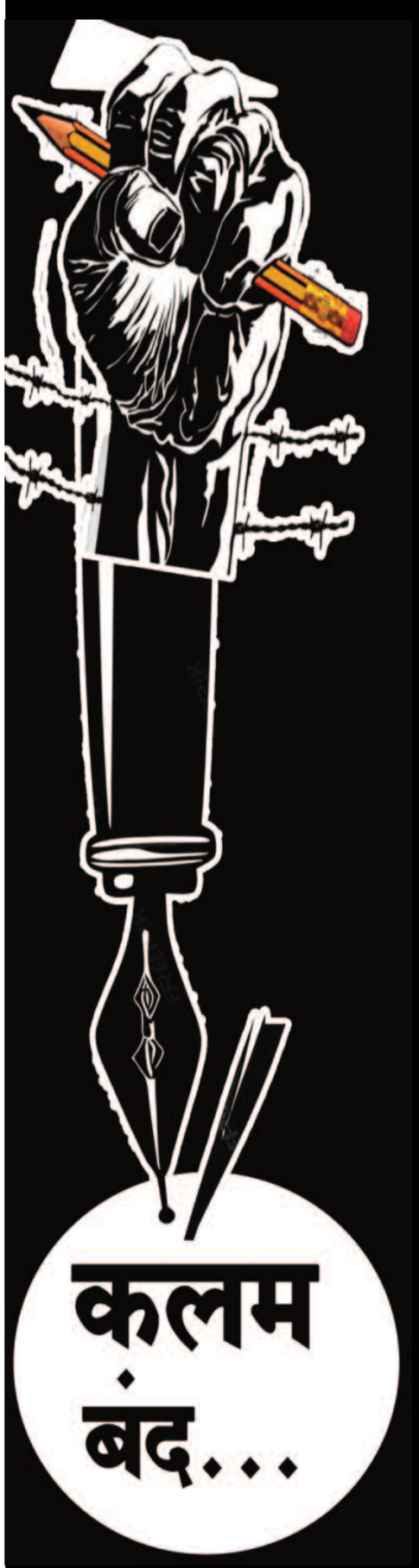

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

देश के माननीय प्रधानमंत्री से भी सवाल...क्या भ्रष्टाचार के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के खिलाफ समाचार लिखना है अपराध ?

अम्बिकापुर,11 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। माननीय मुख्यमंत्री से भी सवाल है...छत्तीसगढ़ में आपकी सरकार है...केंद्र में भी आपकी पार्टी की सरकार है...पर छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को कमियां दिखाने से रोकने का भी प्रयास हो रहा है...यह प्रयास कहीं ना कहीं स्वस्थ लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास है...जहां पर भाजपा सरकार से लोगों को बेहतर करने की उम्मीद होती है तो वहीं पर छत्तीसगढ़ में नवनिर्वाचित मंत्री,विधायक बे-लगाम हो चुके हैं...उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है उसे जिम्मेदारी को निभाने में असमर्थ दिख रहे हैं...उनकी कमियों को बताना उन्हें रास नहीं आ रहा इसलिए वह पत्रकार,संपादक का कलम बंद करने का प्रयास कर रहे हैं अब इस पर आप ही संज्ञान ले...और बताएं की संपादक व पत्रकार कौन सी खबर प्रकाशित करें ?

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

खुला पत्र

भारत में सच्चे पत्रकार को राजनीतिक पार्टियों से खतरा क्यों रहता है ?

अम्बिकापुर,11 जुलाई 2024(घटती-घटना)। भारत अपने पत्रकारों को निडर होकर काम करने का स्वतंत्र तरीका प्रदान करने में बहुत पीछे है...इन दिनों...कुछ को छोड़कर...हर दूसरा पत्रकार वही खबर दे रहा है जो सरकार की प्रशंसा करती है...नए चैनल लोगों को सरकार द्वारा की गई गलती से विचलित करने के लिए विभिन्न विषयों पर अनावश्यक बहस दिखाएंगे...इसके कारण,अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो किसी का ध्यान नहीं जाता हैं...दूसरा कारण यह है कि पत्रकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों को खो रहे हैं क्योंकि आज स्थिति ऐसी है कि स्थापना के खिलाफ विषयों पर बोलने या लिखने वाले पत्रकारों को धमकी देना,गाली देना और मारना कई अन्य देशों की तरह भारत में भी एक वास्तविकता बन गई है...देश और दुनिया को डरा दिया है...वहीं,पत्रकारों पर लगातार हो रहे हमलों की घटनाओं ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है...जो पत्रकार देश और उसके आम नागरिकों के लिए लिखे वे मरे या प्रताड़ित हुए सरकारी तंत्रों के द्वारा...!

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

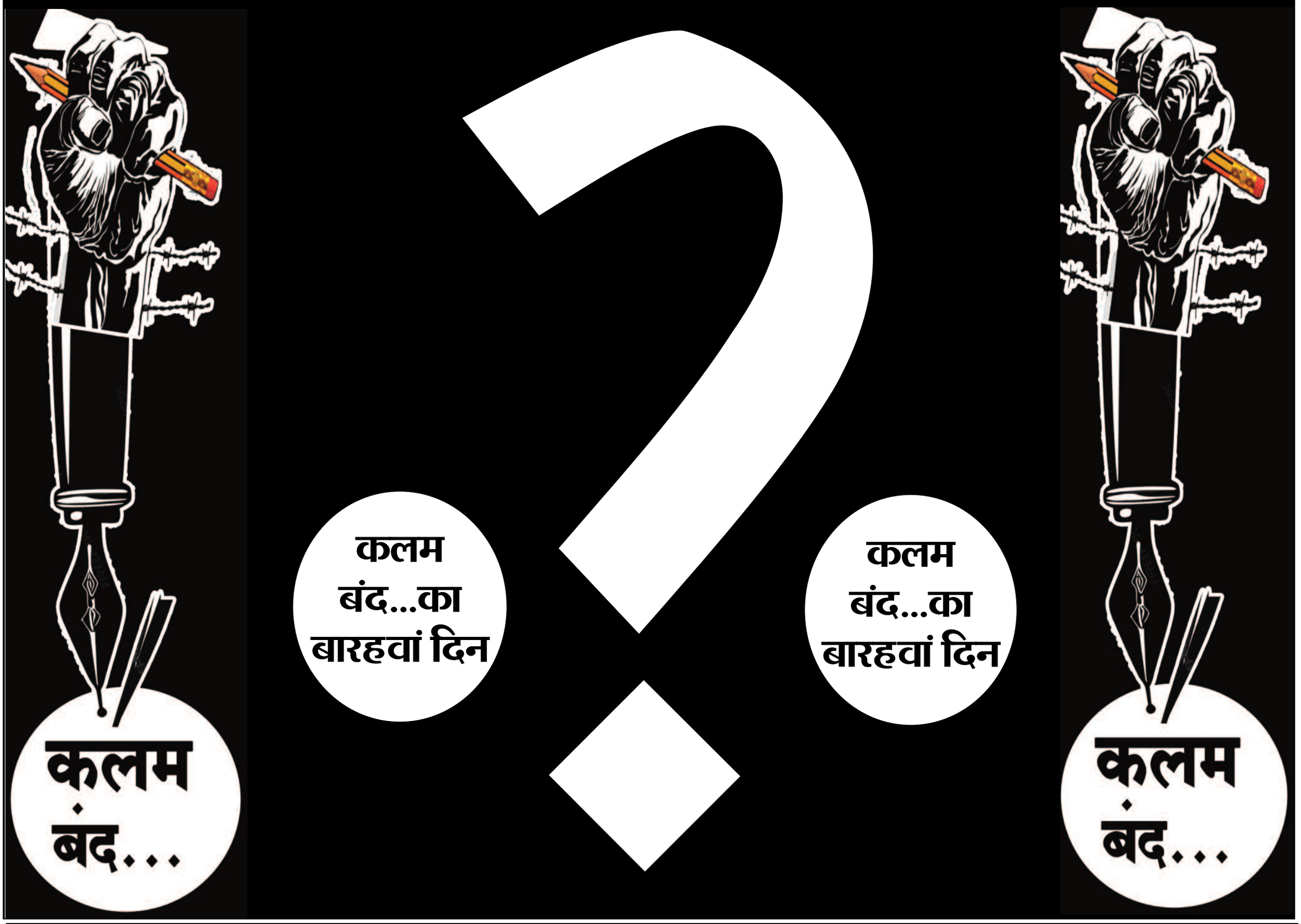

खुला पत्र

क्या भ्रष्टाचार का मामला वहीं होगा दर्ज जहां होगी भाजपा से इतर दल की सरकार ?

» भ्रष्टाचार की खबरों से दिक्कत...
» कमी दिखाओ तो दिक्कत...
» जनता की परेशानियों को दिखाओ तो दिक्कत...

अम्बिकापुर,11 जुलाई 2024(घटती-घटना)। आखिर लोकतंत्र का चौथा स्तंभ करें तो क्या करें ? सरकारी तंत्र भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रहे भ्रष्टाचार को उजागर करने पत्रकार दौड़ रहा पर पत्रकार की दौड़ के पीछे निर्वाचित जनप्रतिनिधि उसकी दौड़ की गति को कम करने का प्रयास कर रहे हैं,भ्रष्टाचार बढ़ता रहे पर पत्रकार ना दिखाएं क्या यही चाहता है जनप्रतिनिधि या फिर सरकारी तंत्र।

क्या छापें माननीय मुख्यमंत्री जी ?

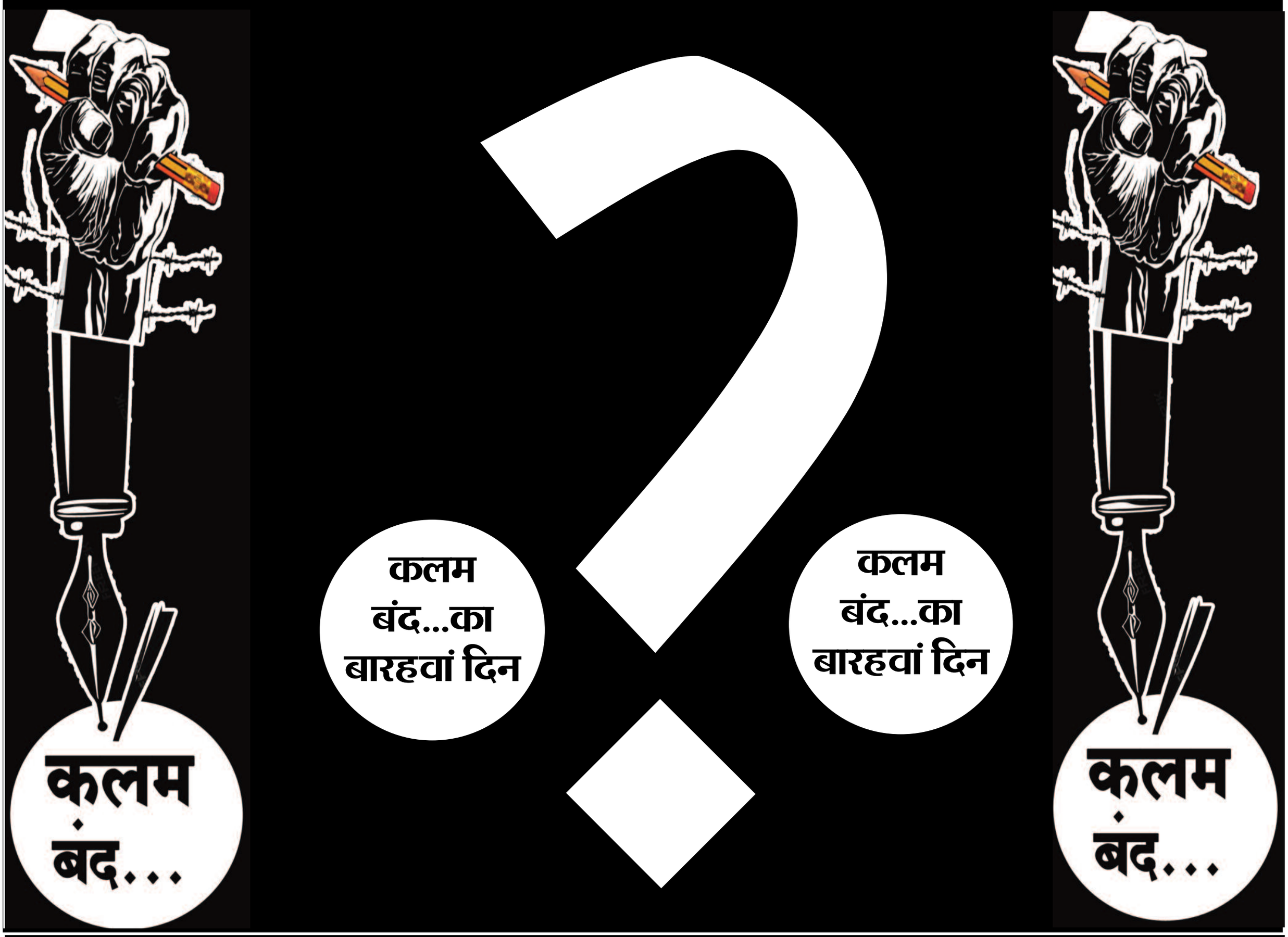

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

इंडिया चैंपियंस ने की सेमीफाइनल में एंट्री

अब सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस टीम से होगा मुकाबला

नई दिल्ली,11 जुलाई 2024। युवराज सिंह की कप्तानी में इंडिया चैंपियंस की टीम ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2024 के सेमीफाइनल में एंट्री कर ली है। हालांकि टीम को अपने आखिरी लीग मैच में साउथ अफ्रीका के हाथों हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बाद भी बेहतर रन रेट के आधार पर टीम ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इंडिया और पाकिस्तान के अलावा ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज ने भी आखिरी 4 में अपनी जगह बना ली है। अब सेमीफाइनल की बारी है, जो मैच 12 जुलाई को खेले जाएंगे।

इंडिया चैंपियंस को अपने आखिरी लीग मैच में साउथ अफ्रीका चैंपियंस से मिली थी मात

इंडिया चैंपियंस की टीम को अपने आखिरी लीग मैच में साउथ अफ्रीका से 54 रन से हार मिली है। लेकिन टीम को जितना नेट रन रेट चाहिए था, उतना हो गया है। इसलिए टीम ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। अब सेमीफाइनल में जहां एक ओर वेस्टइंडीज का मुकाबला पाकिस्तान चैंपियंस से होगा, वहीं इंडिया चैंपियंस की टीम ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस से भिड़ती हुई नजर आएगी। ये दोनों ही मैच 12 जुलाई को खेले जाएंगे। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान का मुकाबला भारतीय समय अनुसार शाम 5 बजे से खेला जाएगा, वहीं ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस और भारत चैंपियंस का मैच रात करीब 9 बजे से शुरू होगा। सेमीफाइनल मुकाबला जीतने वाली टीमें सीधे फाइनल में चली जाएंगी और 13 जुलाई को इसका फाइनल खेला जाएगा। जो भी टीम इस मैच को अपने नाम करेगी, वो इस साल के वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड की विजेता कही जाएगी।

आखिरी ओवर में जरूर नेट रन रेट इंडिया चैंपियंस ने किया हासिल

जहां तक मैच की बात की जाए तो युवराज सिंह ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 210 रन बनाए थे। युवराज सिंह और इंडिया चैंपियंस खेमे की शायद यही सोच रही होगी कि इंडिया की टीम अगर बाद में बल्लेबाजी करेगी तो उसके सामने एक टारगेट होगा कि टीम को 20 ओवर में कितने रन चाहिए होंगे, ताकि टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाए। हुआ भी ऐसा ही। भारत को जीत के लिए तो 211 रन चाहिए थे, लेकिन अगर टीम सेमीफाइनल में जाना चाहती थी तो उसे 20 ओवर में 153 रन चाहिए थे। जो उसने हासिल कर लिया। यानी साउथ अफ्रीका की टीम जीतकर भी सेमीफाइनल में नहीं जा सकी, वहीं भारत चैंपियंस की टीम ने हारकर भी बेहतर रन रेट के आधार पर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

हरभजन सिंह ने की कमाल की गेंदबाजी

इंडिया चैंपियंस की ओर से गेंदबाजी करते हुए जहां एक ओर हरभजन सिंह ने चार ओवर में 25 रन देकर चार बल्लेबाजों को आउट किया, वहीं धवल कुलकर्णी, विनय कुमार, पवन नेगी और यूसुफ पठान ने एक एक बल्लेबाज को आउट किया। इंडिया चैंपियंस की ओर से सबसे ज्यादा रन यूसुफ पठान ने ही बनाए। उन्होंने 44 बॉल पर 54 रन की शानदार पारी खेली और आखिरी बॉल पर चौका लगाकर अपनी टीम को सेमीफाइनल का टिकट दिला दिया।

जिम्बाब्वे को हराते ही टीम इंडिया ने रचा अनोखा कीर्तिमान

अब तक कोई और नहीं कर पाया है ये काम

नई दिल्ली,11 जुलाई 2024। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया इस वक्त जिम्बाब्वे के दौरे पर है। जहां 5 टी 20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का पहला मैच भले ही भारतीय टीम हार गई हो, लेकिन इसके बाद शानदार वापसी करते हुए लगातार दो मैच जीतकर न केवल सीरीज में बराबरी की, बल्कि अब तो बढ़त भी बना ली है। इस बीच सीरीज के दो मैच बाकी हैं, लेकिन इससे पहले ही भारतीय क्रिकेट टीम ने एक नया कीर्तिमान रचने का काम किया है। जो आज तक दुनिया की कोई और टीम नहीं कर पाई है। हालांकि पाकिस्तान की टीम इस मामले में दूसरे नंबर पर है।

टी 20 इंटरनेशनल में 150 मैच जीतने वाली पहली टीम

भारतीय क्रिकेट टीम टी20 इंटरनेशनल में ऐसी पहली टीम बन गई है, जिसमें अब तक इस फॉर्मेट में 150 मैच अपने नाम किए हैं, यानी जीते हैं। टीम इंडिया वैसे तो पहले भी नंबर एक पर थी, लेकिन अब एक नया मुकाम छू लिया है, जो इससे पहले कभी नहीं हुआ था। पाकिस्तान की टीम अब तक 142 टी20 इंटरनेशनन मैच जीतकर दूसरे स्थान पर है। हालांकि अगर खेले गए मैचों की बात की जाए तो भारत ने पाकिस्तान की तुलना में कम मैच खेले हैं।

स्टॉपेज टाइम में गोल करके नीदरलैंड को हराकर यूरो फाइनल में इंग्लैंड

डॉर्टमंड,11 जुलाई 2024। एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्टॉपेज टाइम में ओली वाटकिंस के गोल के दम पर इंग्लैंड ने नीदरलैंड को 2 . 1 से हराकर यूरो फुटबॉल चैम्पियनशिप 2024 के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उसका सामना स्पेन से होगा। इंग्लैंड के कोच जेरथ साउथगेट ने कप्तान हैरी केन की जगह वाटकिंस को मैदान पर बुलाने का साहसिक फैसला लिया और स्टॉपेज टाइम के पहले ही मिनट में उसने गोल करके इसे सही साबित कर दिया। यूरो 2024 के नॉक आउट चरण में इंग्लैंड के लिये जूड बेलिंगघम ने स्टॉपेज टाइम में बराबरी का गोल किया था। साउथगेट ने 80वें मिनट में जब उन्हें उतारने का फैसला किया तो सभी को हैरानी हुई। लेकिन यह उनका मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ। इंग्लैंड पहली बार विदेश में फाइनल खेलेगा। उसने 1966 विश्व कप वेम्बले स्टेडियम पर जीता था और यूरो 2020 फाइनल भी वहीं खेला गया था जिसमें उसे इटली ने हराया था। नीदरलैंड के लिये 21 वर्ष के जावी सिमंस ने पहला गोल दागा। वहीं केन ने बराबरी का गोल पेनल्टी पर किया।

उरूग्वे को हराकर कोलंबिया कोपा अमेरिका के फाइनल में

चार्लोट,11 जुलाई 2024। कोलंबिया ने उरूग्वे पर 1.0 से तनावपूर्ण जीत के बाद 23 साल में पहली बार कोपा अमेरिका फुटबॉल चैम्पियनशिप के फाइनल में प्रवेश कर लिया हालांकि आखिरी सीटी बजने के बाद खिलाड़ियों और दर्शकों के बीच में झड़प हो गई। कोलंबिया के लिये 39 वें मिनट में जैफरसन लेरमा ने गोल किया। अब कोलंबिया का सामना रविवर को गत चैम्पियन लियोनेल मेस्सी की अर्जेंटीना से होगा। वहीं उरूग्वे की टीम तीसरे स्थान के मुकाबले में कनाडा से खेलेगी। कोलंबिया इससे पहले 2001 में अपनी मेजबानी में कोपा अमेरिका खिताब जीता था। इस मैच में एक लाल कार्ड के अलावा सात पीले कार्ड दिखाये गए। दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच काफी धक्का मुक्की देखी गई। मैच के बाद दर्शकों के बीच हुए झगड़े में डारविन नुनेज और उरूग्वे के दर्जनों खिलाड़ी कूद पड़े। एक वीडियो में दिखाया गया कि नुनेज ने कोलंबिया की जर्सी पहने एक प्रशंसक को पीटा।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी भारतीय टीम

नई दिल्ली,11 जुलाई 2024। भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से अनुरोध किया जाएगा कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए होने वाले मैच श्रीलंका या दुबई में आयोजित किए जाए।

गौरतलब है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल फरवरी से मार्च 2025 तक पाकिस्तान में होना है। वर्ष 2008 में आयोजित हुए एशिया कप के बाद से भारत ने दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण पाकिस्तान में जाकर कोई क्रिकेट टूर्नामेंट नहीं खेला है। इससे पहले दिसंबर 2012 से जनवरी 2013 तक भारत में आयोजित द्विपक्षीय श्रृंखला दोनों देशों के बीच अंतिम द्विपक्षीय श्रृंखला भी थी। उसके बाद से दोनों देशों के बीच सिर्फ आईसीसी टूर्नामेंट और एशिया कप में ही मुकाबला हुआ है।

दोनों देशों के बीच संबंधों के कारण आगामी आयोजन में भारत की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारत को अपने सभी मैच एक ही शहर में खेलने का प्रस्ताव दिया था। ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने बताया था कि लाहौर को उस स्थान के रूप में चुना गया है जहां भारत अपने सभी मैच खेलेगा। हालाँकि, भारतीय बोर्ड पाकिस्तान की यात्रा की संभावना में दिलचस्पी नहीं रखता है।

इटली के मुसेत्ती पहली बार सेमीफाइनल में

सात बार के चैम्पियन जोकोविच से होगा सामना

लंदन,11 जुलाई 2024। इटली के लोरेंजो मुसेत्ती ने अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को हराकर विम्बलडन सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया और कैरियर में पहली बार वह किसी ग्रैंडस्लैम में अंतिम चार में पहुंचे हैं। उन्होंने साढे तीन घंटे तक चला यह मुकाबला 3 . 6, 7 . 6, 6 . 2, 3 . 6, 6 . 1 से जीता। वह पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम में चौथे दौर से आगे पहुंचे हैं लेकिन अब उनके सामने नोवाक जोकोविच के रूप में कैरियर की सबसे बड़ी चुनौती है। सात बार के चैम्पियन जोकोविच 13वीं बार विम्बलडन और 49वीं बार ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनलमें पहुंचे हैं और उन्होंने रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की है। महिला वर्ग में 2022 की चैम्पियन एलेना रिबाकिना ने एलिना स्वितोलिना को 6 . 3, 6 . 2 से हराया। वहीं 31वीं रैंकिंग वाली बारबरा क्रेइसिकोवा ने 13वीं रैंकिंग वाली येलेना ओस्टापेंको को 6 . 4, 7 . 6 से मात दी।

अरे छोड़िए सलोनी और शबनम,मिर्जापुर 3 की माधुरी भाभी ग्लैमर में नहीं कम

वेब सीरीज मिर्जापुर 3 को लेकर इस वक्त खूब चर्चा हो रही है। सीरीज के तीसरे सीजन में एक्ट्रेस ईशा तलवार यानी माधुरी भाभी ने अहम भूमिका अदा की है। लेकिन अपनी एक्टिंग के अलावा ब्यूटी को लेकर भी ईशा सुर्खियां बटोर रही हैं। ऐसे में आपके लिए मिर्जापुर की माधुरी भाभी की ग्लैमर से भरपूर तस्वीरें लेकर आए हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो की पेशकश वेब सीरीज मिर्जापुर 3 ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। इस सीरीज की कहानी और किरदार के बारे में जमकर चर्चा हो रही है। खासतौर पर मिर्जापुर की माधुरी भाभी यानी एक्ट्रेस ईशा तलवार की कमाल की एक्टिंग ने हर किसी को प्रभावित किया है। अपनी अदाकारी के अलावा खूबसूरती को लेकर भी ईशा इस वक्त लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं। इस बीच हम आपके लिए ईशा की कुछ ऐसी फोटोज लेकर आए हैं, जिन्हें देख आप भी कहेंगे कि लाल फूल पीला फूल, माधुरी भाभी ब्यूटीफुल।

ईशा की फोटोज से नहीं हटेगी नजर

सोशल मीडिया पर ईशा तलवार काफी एक्टिव रहती हैं। अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर अक्सर वह लेटेस्ट तस्वीरों और वीडियो को शेयर करती रहती हैं। इस बीच ईशा की कुछ चुनिंदा फोटो पर गौर किया जाए तो उनमें वह अपनी हॉटनेस का तड़का लगाती हुई नजर आ रही हैं।

फोटो को देख ये आसानी से कहा जा सकते हैं कि असल जिंदगी में ईशा बेहद बोल्ड दिखती हैं। मिर्जापुर 3 में सीधी-साधी दिखने वालीं माधुरी भाभी रियल में काफी गॉर्जियस दिखती हैं। उनकी इन फोटो और वीडियो से आप अपनी नजरें हटा पाएंगे।

कुल मिलाकर कहा जाए तो ईशा की ये फोटोज हद से ज्यादा शानदार हैं। मौजूदा समय में उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। ये कहना गलत नहीं होगा ईशा खूबसूरती के मामले में मिर्जापुर 3 की सलोनी त्यागी (नेहा सरगम) और शबनम लाला (शेरनवाज जिजिना) से दो कदम आगे हैं।

इस फिल्म में दिखेंगी ईशा तलवार

वेब सीरीज मिर्जापुर 3 के बाद बतौर एक्ट्रेस ईशा तलवार पंजाबी फिल्म शहकोट में दिखाई देंगी। इस मूवी में उनके साथ पंजाबी फिल्म कलाकार गुरु रंधावा लीड रोल में नजर आएंगे। इन दोनों की ये फिल्म 4 अक्टूबर 2024 बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

यशराज बैनर से अनिल कपूर ने कर ली तगड़ी डील

अनिल कपूर इंडस्ट्री के वो दिग्गज कलाकार हैं जो अपने दमदार अभिनय से किसी फिल्म में जान फूंक सकते हैं। मौजूदा समय में रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 3 को लेकर अनिल चर्चा में बने हुए हैं।इस बीच उनकी अपकमिंग मूवीज को लेकर बड़ा अपडेट सामने आ गया है। उन्होंने यशराज बैनर की स्पाई यूनिवर्स की कई फिल्मों के लिए हाथ मिलाया है।

अनिल कपूर को हिंदी सिनेमा में करीब 4 दशकों से ज्यादा का समय बीत चुका है। बतौर कलाकार वह किसी भी फिल्म को हिट कराने का हुनर रखते हैं। लंबे अरसे से अपने दमदार अभिनय से वह दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करते आ रहे हैं।

इस बीच अनिल कपूर की अपकमिंग फिल्मों को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि उन्होंने यशराज प्रोडक्शन की स्पाई यूनिवर्स की कई फिल्मों के लिए उन्होंने करार कर लिया है, जिनमें शाह रुख खान

स्टारर पठान 2 का नाम भी शामिल है।

यशराज बैनर की इन फिल्मों में दिख सकते हैं अनिल

अनिल कपूर हिंदी सिनेमा के दिग्गज कलाकार के तौर पर फैंस के फेवरेट माने जाते हैं। किरदार चाहें कोई भी हो लेकिन वह अपनी अदाकारी का सौ प्रतिशत देते हैं। इस बीच पिंकविला की रिपोर्ट में अनिल की आने वाली फिल्मों के लेकर बड़ी जानकारी दी गई है। खबर के अनुसार अनिल कपूर ने यशराज प्रोडक्शन के साथ हाथ मिलाया है। उन्होंने यशराज बैनर की स्पाई यूनिवर्स की फिल्में आलिया भट्ट की अल्फा, शाह रुख खान की पठान 2 और ऋतिक रोशन स्टारर वॉर 2 के लिए डील कर ली है। आने वाले समय में अनिल इन फिल्मों में अपनी एक्टिंग का कमाल दिखाते हुए नजर आएंगे। पठान 2 में अनिल की मौजूदगी को लेकर बड़ा बज बन गया है। हालांकि अभी तक ये रिवील नहीं हुआ है कि इन मूवीज में अभिनेता की भूमिका क्या होने रहने वाली है।

बिग बॉस ओटीटी 3 में अनिल बने होस्ट

सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 3 की कमान इस बार अनिल कपूर संभाल रहे हैं। मौजूदा समयम में बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 को होस्ट करने की वजह से अनिल लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस शो में दर्शकों को अनिल का झकास अंदाज काफी पसंद आ रहा है।

यो यो हनी सिंह सिंह को मिली नई गर्लफ्रेंड

टीना थडानी से अलग होते ही रैपर को हुआ अजय देवगन की को-स्टार से प्यार!

मशहूर रैपर हनी सिंह एक बार फिर से अपनी लव लाइफ को लेकर खबरों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, गर्लफ्रेंड टीना थडानी से ब्रेकअप के बाद हनी को एक बार फिर से प्यार हो गया है। उन्हें एक नई और बेहद खूबसूरत गर्लफ्रेंड मिल गई हैं। हनी अपने नई गर्लफ्रेंड के संग एक साथ से रिलेशनशिप में हैं।

हनी सिंह तलाकशुदा हैं। हनी सिंह ने साल 2011 में शालिनी तलवार से शादी की थी. 2022 में दोनों ने तलाक ले लिया। रैपर पति को एलिमनी के तौर पर एक्स वाइफ को एक करोड़ रुपये भी देने पड़े थे। शालिनी तलवार ने हनी सिंह पर घरेलू हिंसा और दूसरी महिलाओं के साथ शारीरिक सबंध के आरोप लगाए थे। शालिनी को तलाक देने के बाद हनी की लाइफ में मॉडल-एक्ट्रेस टीना थडानी आई थीं। हालांकि अब इनका ब्रेकअप हो गया है।

टीना थडानी से ब्रेकअप के बाद यो यो हनी सिंह को प्यार हो गया है। वह पंजाबी एक्ट्रेस हीरा सोहल को डेट कर रहे हैं। हनी के साथ हीरा को मुंबई में होली के दौरान उनके रिटर्न कॉन्सर्ट में देखा गया था। हीरा को अजय देवगन और सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म थैंक गॉड में देखा गया था।

सैय्यां जी के रैपर सिंगर हनी को अपनी सजनी जी मिल गई। हनी सिंह इन दिनों हीरा सोहल को डेट कर रहे हैं। आगे रिपोर्ट में रूमर्ड कपल के करीबी एक सूत्र कहा हवाला दिया गया है।सूत्र ने बताते हुए कहा कि हनी-हीरा लगभग एक साल से डेटिंग कर रहे हैं। बीते महीने जून में दोनों रोमांटिक गेटअवे पर भी गए थे। हनी सर्किट के बीच अपने रिश्ते को लेकर काफी खुले हैं। वह गर्व से हीरा को अपने साथी के रूप में पेश करते हैं। हालांकि, वह अभी अपने रिश्ते को पब्लिक के सामने गुप्त रखना चाहते हैं।

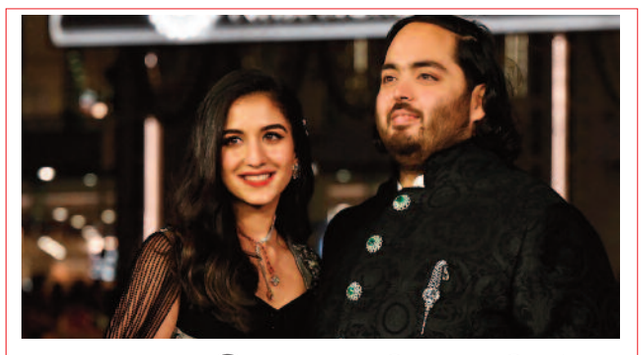

अनंत-राधिका की शादी के लिए 100 प्राइवेट जेट तैयार

मेहमानों को करोड़ों का रिटर्न गिफ्ट,सुरक्षा में एनएसजी कमांडो तैनात

मुकेश अंबानी और नीता अंबानी अपने छोटे लाडले अनंत की शादी में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रहे हैं। अनंत अंबानी 12 जुलाई को राधिका मर्चेंट के साथ हमेशा के लिए शादी के बंधन में बंध जाएंगे। शादी के सभी कार्यक्रम तीन दिन तक चलेंगे और 14 जुलाई को खत्म हो जाएंगे। शादी की रस्में शुरू हो चुकी हैं। हाल ही संगीत और हल्दी सेरिमनी हुई, जिसमें घर-परिवार के अलावा कई फिल्म स्टार्स शामिल हुए। मुकेश अंबानी ने अनंत और राधिका की शादी के लिए बेहद खास तैयारियां की हैं और विदेशी मेहमानों को भी बुलावा भेजा है। यही नहीं, उनके लिए खास तौर पर प्राइवेट जेट भी तैयार करवाया है।

अनंत अंबानी और राधिका मर्चेन्ट की शादी मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में होगी। देश और दुनिया के सबसे अमीर बिजनेसमैन की फेहरिस्त में शुमार मुकेश अंबानी ने हर राज्य के मुख्यमंत्री को न्यौता दिया है। यही नहीं, विदेश से भी कई व्हीआईपी मेहमानों को बुलावा भेजा है। शादी की सारी जिम्मेदारियां डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड संभालेगा।

कुमार गौरव:लव स्टोरी ने बनाया स्टार

पर घमंड ले डूबा करियर? फिल्में छोड़ दीं, फिर भी करोड़ों में है कमाई

1980 के दशक में दिग्गज एक्टर कुमार गौरव 1981 की फिल्म लव स्टोरी में काम करने के बाद रातों-रात फेमस हो गए। एक्ट्रेस विजयता पंडित के साथ जोड़ी बनाकर कुमार गौरव अपने हैंडसम लुक और हाव-भाव के साथ जल्द ही कई फैंस के पसंदीदा बन गए। महान एक्टर राजेंद्र कुमार के बेटे 11 जुलाई को 67 साल के हो गए। गौरव उस समय सबसे अधिक मांग वाले एक्टर्स में से एक बनकर उभरे। इतनी कम उम्र में जबरदस्त सफलता हासिल करने के बावजूद, कुमार गौरव का स्टारडम धीरे-धीरे अंधकार में चला गया। लेकिन क्या आप जानते हैं अब वो कहां हैं और क्या करते हैं?राहुल रवैल की फिल्म लव स्टोरी बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित होने के बाद, कुमार गौरव के पास फिल्मों के ऑफर्स की बाढ़ आ गई। उनकी कुछ फिल्मों में तेरी कसम, स्टार, कांटे, जनम, फूल और नाम शामिल हैं, जहां उन्होंने शानदार काम किया। आज तक की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म इंडस्ट्री में शोहरत हासिल करने के बाद कुमार गौरव ने कम मशहूर एक्ट्रेसेस के साथ काम करने से इनकार कर दिया था। उनकी मांग इतनी थी कि उन्हें फिल्में मिलना कल हो गईं।

अब कहां हैं कुमार गौरव?

एक रिपोर्ट के अनुसार, अपना बेस्ट करने के बावजूद, एक्टर को शोबिज को अलविदा कहने और अपना बिजनेस चलाने के लिए मजबूर होना पड़ा। सिनेमा जगत को छोड़ने के बाद कुमार गौरव ने खुद भी लाइमलाइट से दूर रहने का फैसला किया।

कुमार गौरव की पहली शादी

अनुभवी एक्टर राजेंद्र कुमार और राज कुमार के बीच अच्छी दोस्ती थी। उन्होंने अपनी दोस्ती को पारिवारिक संबंध में बदलने का फैसला किया। नतीजतन, कुमार गौरव और राज कपूर की बेटी रीमा कपूर की सगाई पक्की हो गई। कुमार और रीमा के मन में पहले से ही एक-दूसरे के लिए भावनाएं थीं और उन्होंने ऐसा किया।

कुमार गौरव की दूसरी शादी और बच्चे

जल्द ही, गौरव और रीमा के रिश्ते में दरारें आने लगीं, जब उनकी लव स्टोरी की एक्ट्रेस विजयता के साथ डेटिंग की अफवाहें फैलने लगीं। बाद में उनकी सगाई टूट गई और कुमार गौरव को दूसरी बार दिग्गज स्टार सुनील और नरगिस दत्त की बेटी नम्रता दत्त से प्यार हुआ। 1984 में उनकी शादी हुई और उनकी दो बेटियां साची और सिया हुईं। इस तरह, कुमार गौरव रिश्ते में संजय दत्त के जीजा लगते हैं।

कुमार गौरव की नेटवर्थ

कई रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुमार गौरव की नेटवर्थ लगभग 75 करोड़ है। ववो अपने बिजनेस में बहुत सफल हुए और सारी कमाई उसी से करते हैं।

खुला पत्र

प्रभारी डीपीएम के पिता ठेकेदार...भाई तकनीकी सहायक...जनपद पंचायत बैकुंठपुर में...क्या तीनों मिलकर शासन को लगा रहे चूना?

» पिता ने कांग्रेस शासनकाल में खूब किया गुणवत्ताविहीन काम?

» काम पिता का तकनीकी सहायक भाई ... फिर कैसे रुकेगा... गुणवत्ता विहीन कार्य के बिल का भुगतान?

» तकनीकी सहायक भाई खुद अपने काम का पिता के नाम पर लेते हैं ठेका... और स्वयं करते हैं काम...

» पिता ने मुख्यमंत्री जतन योजना के तहत किया है मरम्मत का काम,यदि सभी कामों की हो जाए जांच...तो गुणवत्ता की खुल जाएगी पोल...

-रवि सिंह-

कोरिया/अम्बिकापुर,11 जुलाई 2024 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के पूर्व डीपीएम रह चुके वहीं वर्तमान में सूरजपुर डीपीएम के रूप में कार्य कर रहे के पिता एक ठेकेदार हैं...वहीं उनके भाई तकनीकी सहायक हैं वह भी पंचायत विभाग में ...जनपद पंचायत बैकुंठपुर में...एक तरफ डीपीएम अपने विभाग में जमकर वारा-न्यारा कर रहे हैं...वहीं उनके भाई अपने विभाग में...वहीं उनके तकनीकी सहायक भाई... अपने पिता के नाम से निर्माण कार्य लेकर निर्माण कार्य संपादित करते हैं और गुणवत्ता विहीन कार्य करते हुए शासन को चूना लगा रहे हैं...वहीं इस तरह वह भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। तकनीकी सहायक भाई पिता के नाम पर काम लेकर करते हैं और उसका बिल भुगतान इसलिए संभव हो जाता है क्योंकि वह खुद तकनीकी सहायक हैं और इस तरह वह खुद ही कार्य का मूल्यांकन कर लेते हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस शासनकाल में भी इन सभी ने जमकर निर्माण कार्य किया और सभी काम गुणवत्ता विहीन किए गए,वहीं अब जबसे भाजपा की सरकार सत्ता में आई है तबसे वह भाजपा शासनकाल में भी सक्रिय हैं और अपना मुख्यालय वह अघोषित रूप से पोड़ी बचरा में बनाकर रखे हैं...जबकि उनका मुख्यालय बैकुंठपुर है...और वह केवल निर्माण कार्य के लिए मुख्यालय अलग बनाए हुए हैं। बताया यह भी जा रहा है कि कांग्रेस शासनकाल में मुख्यमंत्री जतन योजना अन्तर्गत भी इन्होंने या इन लोगों ने मरम्मत कार्य किया था और जिसकी हर जगह शिकायत हुई है। वित्त मंत्री के द्वारा पुनः मूल्यांकन की बात कही गई है। यदि ऐसा होता है इनका निर्माण पूरी तरह गुणवत्ता विहीन मिलेगा...मरम्मत के नाम पर भ्रष्टाचार मिलेगा यह तय है। प्रभारी डीपीएम के पिता और उनके भाई का भ्रष्टाचार मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना में देखने को मिलना और यह भी तय होना की उनकी कांग्रेस शासनकाल में कितनी पकड़ थी कि वह तब ऐसे काम भी पा सके थे जहां केवल भ्रष्टाचार ही होना था...और जो वर्तमान सरकार के वित्तमंत्री के जारी जांच के निर्देश से भी स्पष्ट है कि यह योजना भ्रष्टाचार की ही योजना थी ...और इसमें केवल भ्रष्टाचार ही हुआ है। इस तरह देखा जाए तो स्वास्थ्य विभाग,पंचायत विभाग शिक्षा विभाग सभी में एक परिवार भ्रष्टाचार कर रहा है...और उसे समय-समय पर अलग -अलग सरकार और मंत्रियों विधायकों का साथ मिल रहा है जिसके कारण यह परिवार राज्य के लोगों के मूलभूत आवश्यकताओं में ही सेंध लगा पा रहा है।

प्रभारी डीपीएम के परिवार के पास ऐसा कौन सा जादुई यंत्र है जो हर सरकार में मंत्री विधायक को वश में करके भ्रष्टाचार करने में सफल हो जाता है?

वैसे स्थिति बड़ी विचित्र है कि जिसकी जांच होनी चाहिए...जिसके ऊपर भ्रष्टाचार की कार्यवाही होनी चाहिए...जिसके ऊपर पूर्व की कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार के आरोप हैं...वह उपकृत किया जा रहा है। अब इस परिवार के बारे में जो पूरी जानकारी समाने आई है उसको जानकर यह समझा जा सकता है कि कैसे यह परिवार आज प्रदेश की जनता से ऊपर है सरकार और उसके मंत्री विधायक के लिए। वैसे इस परिवार के पास ऐसा कौन सा जादुई यंत्र है...जो यह हर सरकार में मंत्री विधायक को वश में करके भ्रष्टाचार करने में सफल हो जाता है...यह सोचने वाली बात है। वैसे सवाल यह भी है कि क्या प्रभारी डीपीएम सूरजपुर...अपने ही पिता और भाई जो की ठेकेदार और तकनीकी सहायक हैं...के निर्माण कार्यों की जांच के लिए शिकायतकर्ता बनेंगे और उनके भ्रष्टाचार और गुणवत्ता विहीन कार्यों की जांच की मांग करेंगे जबकि वह कई मामलों में शिकायतकर्ता बनकर समाजसेवक बनने का ढोंग कर रहे हैं।

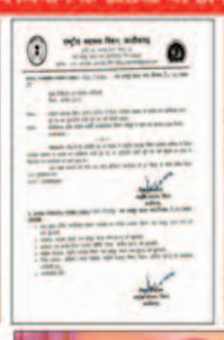

प्रभारी डीपीएम यदि जरा भी समाज हित की भावना मन में रखते होंगे, तो वह जरूर अपने पिता और भाई के निर्माण कार्यों की जांच की मांग करेंगे और उसमे वह मंत्री जी का भतीजा बनकर बचने-बचाने का प्रयास नहीं करेंगे यह भी माना जा रहा है। वैसे प्रभारी डीपीएम मुख्यमंत्री जतन योजना अन्तर्गत स्कूल भवन मरम्मत कार्य में हुए भ्रष्टाचार मामले में शायद ही जांच की मांग करेंगे क्योंकि यदि उसमें उनके पिता और भाई के भ्रष्टाचार की पोल खुल गई...तो उनके ऊपर एक और दाग लगना तय हो जाएगा...जो स्कूल शिक्षा विभाग में भी भ्रष्टाचार का मामला होगा। वहीं नौनिहालों के जीवन को खतरे में डालने का मामला होगा,क्योंकि स्कूल भवन का मरम्मत नौनिहालों के सिर पर मजबूत छत के लिए होना था, जहां भी भ्रष्ट लोगों ने भ्रष्टाचार कर दिया और नौनिहालों का छत मजबूत करने की बजाए अपने घर में टाइल्स मार्बल का खर्च जुटा ले गए।

घटती घटना | कोरिया-एमसीबी-समाचार | अम्बिकापुर,गुरुवार 14 मार्च 2024 | 5

न्यू लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग में मिली कई खामियां, फिर भी संबंधित विभाग आंखें मूंदे क्यों बैठा है?

क्या नियम विरुद्ध तरीके से संचालित हो रहा है न्यू लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग? कार्यवाही के लिए जांच प्रतिवेदन भेजा गया संचालनालय

घटती घटना | कोरिया-एमसीबी-समाचार | अम्बिकापुर,शुक्रवार 02 फरवरी 2024 | 5

क्या स्वास्थ्य विभाग के डीपीएम प्रिंस जायसवाल के सामने प्रशासन व मंत्री सब नतमस्तक?

डीपीएम पद से हटाने के बाद नए डीपीएम की पदस्थापना भी हो गई पर डीपीएम प्रिंस जायसवाल ने नहीं छोड़ा अपना पद

नए डीपीएम को कार्यभार ग्रहण किए हो गए 2 माह,सीएमएचओ साहब कब छूटेगा प्रिंस प्रेम...सरकारी आदेशों की उड़ रहीं धज्जियां?

क्या स्वास्थ्य विभाग को डीपीएम प्रिंस ही चला रहे हैं या फिर जिला प्रशासन भी इनके इशारों पर चल रहा है या नए मंत्री भी उनकी गलतियों को नजरअंदाज कर रहे हैं?

घटती घटना | कोरिया-एमसीबी-सूरजपुर-समाचार | अम्बिकापुर,शनिवार 10 फरवरी 2024 | 5

क्या कोरिया जिले का स्वास्थ्य विभाग भ्रष्टाचार में इतिहास रचने जा रहा है?

घटती-घटना के स्नेही पाठकों,विज्ञापनदाताओं एवं शुभचिंतकों को हो रही असुविधा के लिए खेद है...

संपादक :- अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक- अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)